BA. - II 2014-15 से 2019-20 तक

S-29 Nov., 2013 AC after Circulars from Cirular No.55 & onwards

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद

परिपत्रक क्रमांक/एस.यु./कला /अभ्यासक्रम/७५/२०१४

या परिपत्रकाद्वारे सर्व संबंधीतांना सुचित करण्यात येते की, कला विद्याशाखेने शिफारस केल्यानुसार बी.ए,. बी. एस्सी., बी.कॉम., बी.एस.डब्ल्यू., बी.एफ.ए.,या मधील अनिवार्य, द्वितीय भाषा व ऐच्छिक तसेच एम. ए. हिंदी, इंग्रजी व संस्कृत द्वित्तीय वर्ष, तृतीय व चतुर्थ सत्र पध्दतीचे सुधारित अभ्यासक्रमास विद्यापरिषदेच्या वतीने मा. कुलगुरु यांनी, त्यांना प्राप्त असलेला विशेष अधिकार महाराष्ट्र विद्यापीठ अधिनियम-१९९४ कलम १४(७) अन्वये मान्यता दिलेली आहे. त्या अनुषंगाने सुधारीत तयार केलेल्या अभ्यासक्रमाच्या आकृतीबंधाची प्रत या परिपत्रकासोबत आपल्या पुढील कार्यवाहीसाठी पाठविण्यात येत आहे.

अ.क्र.	सुधारीत अभ्यासक्रम	विषय	सत्र
१.	बी.ए. बी. एस्सी. बी.कॉम. बी.एस.डब्ल्यू., अनिवार्य, द्वितीय भाषा व ऐच्छिक	मराठी	तृतीय व चतुर्थ
२.	बी.ए. बी. एस्सी. बी.कॉम. बी.एस.डब्ल्यू., अनिवार्य, द्वितीय भाषा व ऐच्छिक	हिंदी	तृतीय व चतुर्थ
३.	एम.ए.	हिंदी	तृतीय व चतुर्थ
४.	बी.ए. बी. एस्सी. बी.कॉम.,बी.एस.डब्ल्यू., अनिवार्य, द्वितीय भाषा व ऐच्छिक	इंग्रजी	तृतीय व चतुर्थ
५.	एम.ए.	इंग्रजी	तृतीय व चतुर्थ
६.	बी.ए. बी. एस्सी. बी.कॉम.,बी.एस.डब्ल्यू., अनिवार्य, द्वितीय भाषा व ऐच्छिक	उर्दु, अरेबिक आणि पार्शियन	तृतीय व चतुर्थ
७.	बी.ए. बी. एस्सी. बी.कॉम.,बी.एस.डब्ल्यू., अनिवार्य द्वितीय भाषा आणि ऐच्छिक	पाली आणि बुद्धीझम	तृतीय व चतुर्थ
८.	बी.ए. बी. एस्सी. बी.कॉम. बी.एस.डब्ल्यू., अनिवार्य, द्वितीय भाषा व ऐच्छिक	संस्कृत	तृतीय व चतुर्थ
९.	एम.ए.	संस्कृत	तृतीय व चतुर्थ

उपरोक्त सुधारीत केलेल्या अभ्यासक्रमाचा आराखडा शैक्षणिक वर्ष २०१४-१५ करिता मर्यादित असेल व विद्यापरिषदेच्या अंतिम मान्यतेनंतर हे परिपत्रक नियमित ठेवण्याबाबत या कार्यालयाद्वारे नवीन परिपत्रक पारीत करण्यात येईल. तसेच सुधारीत व नवीन तयार केलेल्या अभ्यासक्रमाच्या आराखड्याची प्रत विद्यापीठाच्या [1] www.bamu.net, [2] www.affiliation.oaasisbamu.org या संकेतस्थळावर उपलब्ध आहे.

करिता, या परिपत्रकाची सर्व संबंधितांनी नोंद घ्यावी.

विद्यापीठ प्रांगण,
औरंगाबाद-४३१ ००४.
संदर्भ क्र.एस.यु./कला/जे.एल.के. /२०१३-१४/
७२९१-७६९०
दिनांक :- ०२-०६-२०१४.

संचालक,
महाविद्यालये व विद्यापीठ
विकास मंडळ.

****

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,

औरंगाबाद -४३१००४

पाठ्यक्रम

बी.ए. द्वितीय वर्ष

प्रथम (द्वितीय भाषा : एवं ऐच्छिक हिंदी

सत्र तृतीय -चतुर्थ)

जून २०१४ से क्रियान्वित

(Effect from June -२०१४ & onwards)

	तृतीय सत्र
	प्रथम द्वितीय भाषा - हिंदी
प्रश्नपत्र -III	:बी.ए.: सामान्य हिंदी -३
	ऐच्छिक हिंदी
प्रश्नपत्र -V	:कथेत्तर गद्य साहित्य
प्रश्नपत्र-VI	:प्रयोजनमूलक हिंदी- १
	चतुर्थ सत्र
	प्रथम द्वितीय भाषा- हिंदी
प्रश्नपत्र -IV	:बी.ए.: सामान्य हिंदी -४
	ऐच्छिक हिंदी
प्रश्नपत्र -VII	:आधुनिक हिंदी कविता
प्रश्नपत्र -VIII	:प्रयोजनमूलक हिंदी -२

बी.ए. द्वितीय वर्ष : द्वितीय भाषा (SL. Hindi)

प्रश्नपत्र -III सामान्य हिंदी :3

तृतीय सत्र - (Semister -III)

सत्र पद्धति २०१४ से लागू

उद्देश्य :

१) साहित्य आस्वादन अभिरुची का परिशंस्कार

२) जीवन मूल्यों के प्रति आस्था

३) अत्याधुनिक इलेक्ट्रानिक माध्यमों का परिचय

अध्ययन -अध्यापन प्रक्रिया

१) व्याख्यान पद्धति

२) लेखन एवं पठन कौशल वृद्धि लिए अभ्यास

३) दृक-श्रव्य माध्यम का प्रयोग

पाठ्यपुस्तक :

अ.गद्य के विविध आयाम, संपा.-प्रो.जयमोहन एम.एस., वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

- पाठ्यक्रम में समाविष्ट रचनाएँ

१) आत्मवृत्त : मेरा जीवन

२) रेखाचित्र- नीलकंठ मोर

३) संस्मरण -कमला

४) निबंध- शिरीष के फुल

५) यात्रावृत्त - चीड़ो पर चाँदनी

आ. प्रयोजनमूलक हिंदी

१) प्रयोजनमूलक भाषा

अ) भाषा का स्वरूप एवं महत्त्व

आ) भाषा की परिभाषा, विशेषताएँ एवं प्रकार्य

इ) वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा का महत्त्व

२) भाषा शिक्षण : स्वरूप एवं प्रक्रिया

अ) भाषा शिक्षण की प्रक्रिया.

आ) भाषा कौशल

१. श्रवण कौशल 　　　 २. भाषण कौशल

३. वाचन कौशल 　　　 ४. लेखन कौशल

३) व्यावसायिक हिन्दी

अ) वाणिज्य व्यापार : तात्पर्य एवं स्वरूप

आ) वाणिज्य व्यापार के साधन

इ) वाणिज्य व्यापार और भाषिक प्रकार्य

ई) वाणिज्य-व्यावसायिक भाषा : संरचनात्मक विशेषताएँ

उ) व्यावसायिक पत्र लेखन

४) निबंध लेखन :

अ) निबंध : तात्पर्य एवं स्वरूप

आ) निबंध लेखन : साहित्यिक / सामाजिक/ समसामयिक समस्या / वैज्ञानिक विषय

संदर्भ ग्रंथ :

१) साहित्य विधाओं की प्रकृति : देवी शंकर अवस्थी

२) हिंदी गद्य : विन्यास और विकास : डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

३) हिंदी का गद्य पर्व : डॉ. नामवर सिंह

४) हिंदी के अद्यतन अनुप्रयोग : डॉ. माधव सोनटक्के

५) प्रयोजनमूलक तथा व्यावहारिक हिंदी : डॉ. सुकुमार भंडारे

बी.ए.द्वितीय: द्वितीय भाषा

प्रश्नपत्र -IV सामान्य हिंदी :४

चतुर्थ सत्र (Semister -IV)

सत्र पद्धति २०१४ लागू

उद्देश्य :

१) साहित्य आस्वादन अभिरूची का परिसंस्कार

२) जीवन मूल्यों के प्रति आस्था

३) भाषा प्राद्योगिकी - विज्ञापन कला व ज्ञान

४) अत्याधुनिक इलेक्ट्रानिक माध्यमों का परिचय

अध्ययन- अध्यापन प्रकिया

१) व्याख्यान पद्धति

२) लेखन व पठन कौशल वृद्धि के लिए अभ्यास

३) दृक-श्रव्य माध्यमों का प्रयोग

पाठ्य - पुस्तक: गद्य के विविध आयाम

संपा. प्रो. जयमोहन एम.एस., वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

- पाठ्यक्रम समाविष्ट रचनाएँ

१) डायरी- स्त्री घर

२) व्यंग्य - कर कमल हो गये

३) रिपोर्ताज - जहाँ आकाश नहीं दिखाई देता.

४) निबंध- कुरीति तोडों, परिवार नहीं

५) जीवनी - स्वामी दयानंद

प्रयोजनमूलक हिन्दी

१) मीडिया लेखन -

अ.जनसंचार माध्यम : विविध रूप

आ. समाचार लेखन

इ. रेडिओ वार्ता लेखन

ई. फीचर लेखन

२) वैज्ञानिक, तकनीकी हिन्दी

अ. वैज्ञानिक, तकनीकी लेखन का स्वरूप एवं विशेषताएँ

आ. वैज्ञानिक लेखन में पारिभाषिक शब्दावली की भूमिका

१) पारिभाषिक शब्दावली का निर्माण : सिद्धान्त एवं प्रयोग

२) वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली (परिशिष्ट अ)

३) वैज्ञानिक तकनीकी अनुवाद का स्वरूप

४) वैज्ञानिक तकनीकी अनुवाद व्यवहार

३) अशुद्धि शोधन

अ.शब्द अशुद्धि

आ. वाक्य अशुद्धि

इ. मुद्रित शोधन

४. अनुवाद

अ) बैंकिंग अनुवाद

आ) मीडिया अनुवाद

संदर्भ ग्रंथ :

१) साहित्य विधाओं की प्रकृति : देवी शंकर अवस्थी

२) हिंदी गद्य : विन्यास और विकास : डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

३) हिंदी का गद्य पर्व : डॉ. नामवर सिंह

४) हिंदी के अद्यतन अनुप्रयोग : डॉ. माधव सोनटक्के

५) प्रयोजनमूलक तथा व्यावहारिक हिंदी : डॉ. सुकुमार भंडारे